अभिव्यक्ति

राजभाषा विभाग,
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे,
रायपुर मंडल
अंक : 16, सितंबर - अक्टूबर 2022

मार्गदर्शक	मुख्य संपादक	संपादक	उप संपादक
संजीव कुमार, मंडल रेल प्रबंधक	लोकेश विश्नोई, अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी	निकेश कुमार पाण्डेय, राजभाषा अधिकारी	मनोज कुमार साहू वरिष्ठ अनुवादक

हमारे नए मंडल रेल प्रबंधक श्री संजीव कुमार ने कार्यभार संभाला

दिनांक 11 अक्टूबर, 2022 को श्री संजीव कुमार ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर रेल मंडल के नये मंडल रेल प्रबंधक के रुप में कार्यभार ग्रहण किया।

आप 1991 बैच के भारतीय रेल विद्युत इंजीनियरिंग सेवा (IRSEE) के अधिकारी हैं। आपने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) दिल्ली से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में बी. टेक. एवं एम. टेक.(पॉवर सिस्टम) की डिग्री प्राप्त की है। मंडल रेल प्रबंधक के रूप में पदभार ग्रहण करने के पूर्व आप उत्तर मध्य रेलवे - प्रयागराज में चीफ इलेक्ट्रिकल डिस्ट्रीब्यूशन इंजीनियर (CEDE) के पद पर कार्यरत थे।

अपनी रेल सेवा के दौरान आप डी.एफ.सी.सी.आई.एल (डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड - Dedicated Freight Corridor Corporation of India) में महाप्रबंधक / इलेक्ट्रिकल एवं अपर मुख्य परियोजना प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज सहित भारतीय रेलवे में अनेक पदों पर आसीन रहें हैं।

मंडल रेल प्रबंधक श्री संजीव कुमार ने पदभार ग्रहण करने के पश्चात अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) श्री लोकेश विश्नोई, अपर मंडल रेल प्रबंधक (इन्फ्रा.) श्री आशीष मिश्रा सहित मंडल के समस्त शाखा अधिकारियों के साथ अनौपचारिक बैठक कर परिचय प्राप्त कर मंडल में चल रहे कार्यों तथा परियोजनाओं की जानकारी ली। आपने यात्री सुविधाओ में वृद्धि करने, माल- लदान को बढ़ाने, राजस्व आय बढ़ाने, ट्रेनों की संरक्षा और यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने, परिचालन क्षमता में बढ़ोत्तरी करने एवं यात्री सुविधाओं को और बेहतर करने पर विशेष जोर देने की बात कही। आपने कार्यभार संभालते ही दिनांक 12.10.2022 को रायपुर-बिलासपुर सेक्शन, दिनांक 13.10.2022 को रायपुर-दुर्ग-लखौली सेक्शन तथा दिनांक 19.10.2022 को रायपुर - अंतागढ़ सेक्शन का निरीक्षण कर संपूर्ण मंडल के कार्यों की जानकारी प्राप्त की।

संविधान की आठवीं अनुसूची के अंतर्गत आने वाली भाषाएं हैं -

1. असमिया	2. उड़िया	3. उर्दू	4. कन्नड	5. कश्मीरी
6. गुजराती	7. तमिल	8. तेलुगु	9. पंजाबी	10. बंगला
11. मराठी	12. मलयालम	13. संस्कृत	14. सिन्धी	15. हिंदी
16. नेपाली	17. कोंकणी	18. मणिपुरी	19. मैथिली	20. डोगरी

रायपुर मंडल पर राजभाषा पखवाड़ा 2022 संपन्न

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल पर दिनांक 14.09.2022 से 29.09.2022 तक राजभाषा पखवाड़ा का सफल आयोजन किया गया । दिनांक 14.09.2022 को माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह की अध्यक्षता में सूरत (गुजरात) में आयोजित द्वितीय अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन एवं हिंदी दिवस के उद्घाटन के साथ ही पूरे देश में राजभाषा पखवाड़ा का शुभारंभ हुआ । इस अवसर पर रायपुर मंडल में सर्वप्रथम तत्कालीन मंडल रेल प्रबंधक श्री श्याम सुंदर गुप्ता द्वारा दिनांक 14.09.2022 को माननीय रेल मंत्री के हिंदी दिवस संदेश का वाचन किया गया ।

मंडल में राजभाषा पखवाड़ा के दौरान अधिकारियों / कर्मचारियों के लिए विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया । दिनांक 19.09.2022 को हिंदी निबंध एवं हिंदी टिप्पण आलेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें कुल 27 कर्मचारियों ने भाग लिया । इसी प्रकार दिनांक 20.09.2022 को हिंदी वाक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ।

दिनांक 19.09.2022 एवं 20.09.2022 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर के तत्वावधान में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर के सदस्य कार्यालयों में कार्यरत अधिकारियों / कर्मचारियों के लिए भी हिंदी निबंध, हिंदी टिप्पण आलेखन एवं हिंदी वाक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें सदस्य कार्यालयों के कुल 37 अधिकारियों / कर्मचारियों ने भाग लिया । इन प्रतियोगिताओं के विजेता अधिकारियों / कर्मचारियों को अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर एवं तत्कालीन मंडल रेल प्रबंधक श्री श्याम सुंदर गुप्ता द्वारा दिनांक 07.10.2022 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर की अर्धवार्षिक बैठक के दौरान पुरस्कृत किया गया ।

दिनांक 21.09.2022 ' आईटी टूल्स एवं राजभाषा ' विषय पर एक ऑनलाइन हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें कुल 34 अधिकारियों / कर्मचारियों ने भाग लिया । दिनांक 22.09.2022 को हिंदी पुस्तक समीक्षा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कुल 10 रेल कर्मियों ने भाग लिया । इसी दिन कर्मचारियों के लिए हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया जिसमें कुल 20 कर्मचारियों ने भाग लिया ।

दिनांक 23.09.2022 को हिंदी के प्रख्यात साहित्यकार श्री रामधारी सिंह 'दिनकर' की जयंती एवं स्वरचित हिंदी काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । राजभाषा पखवाड़ा के दौरान ही मंडल के विभिन्न स्टेशनों एवं कार्यालयों में गठित राजभाषा कार्यान्वयन समितियों की सितंबर 2022 तिमाही की हिंदी बैठकों का आयोजन किया गया ।

दिनांक 29.09.2022 को तत्कालीन मंडल रेल प्रबंधक श्री श्याम सुंदर गुप्ता की अध्यक्षता में राजभाषा पखवाड़ा का समापन समारोह आयोजित किया गया । इस अवसर पर अधिकारियों के लिए हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई । कार्यक्रम के अंत में तत्कालीन मंडल रेल प्रबंधक श्री श्याम सुंदर गुप्ता द्वारा विजेता अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुरस्कार प्रदान किया गया ।

तत्कालीन मंडल रेल प्रबंधक श्री श्याम सुंदर गुप्ता ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि राजभाषा के प्रयोग-प्रसार में और अधिक गति लाने एवं इसके प्रति रेल कर्मियों में रुझान पैदा करने के उद्देश्य से राजभाषा पखवाड़ा के दौरान राजभाषा विभाग द्वारा आयोजित विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं में आप लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, इसके लिए आप सभी बधाई के पात्र हैं ।

उन्होंने कहा कि हमारे कार्यालयीन कामकाज के ऐसे बहुत से क्षेत्र हैं जहां बड़ी आसानी से हिंदी का प्रयोग किया जा सकता है । इसके लिए केवल एक छोटी सी प्रेरणा एवं प्रोत्साहन की आवश्यकता है । हिंदी सप्ताह एवं राजभाषा पुरस्कार का आयोजन इसी उद्देश्य की दिशा में एक प्रयास है । इस प्रकार के आयोजनों से राजभाषा के प्रचार-प्रसार में सहायता मिलती है और इससे अधिकारी एवं कर्मचारी हिंदी में काम करने के लिए प्रेरित एवं प्रोत्साहित होते हैं ।

इस अवसर पर अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक (परि.) श्री लोकेश विश्नोई एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक (इन्फ्रा.) श्री आशीष मिश्रा एवं मंडल के अधिकारीगण भी उपस्थित थे । अंत में श्री निकेश कुमार पाण्डेय, राजभाषा अधिकारी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ राजभाषा पखवाड़ा का समापन किया गया ।

रायपुर मंडल पर स्वच्छता पखवाड़ा

भारतीय रेलवे में स्वच्छ-रेल, स्वच्छ-भारत के तहत दिनांक 16 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2022 तक आयोजित स्वच्छता पखावाड़ा के दौरान दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर मंडल में प्रत्येक दिवस के थीम के अनुसार श्रमदान एवं विभिन्न प्रकार के कार्य किए गए। अर्थात पूरे पखवाड़ा के दौरान स्वच्छता जागरूकता, स्वच्छ स्टेशन परिसर, स्वच्छ मूवमेंट - स्वच्छ रथ, स्वच्छ कार्य परिसर, स्वच्छ सेवा परिसर, स्वच्छ पटरी (क्लीन ट्रैक), स्वच्छ आवास परिसर, स्वच्छ प्रसाधन, स्वच्छ आहार तथा स्वच्छ नीर जैसे विभिन्न थीम पर कार्य किए गए। मंडल पर रेल परिसरों, स्टेशनों एवं ट्रेनों में बेहतर स्वच्छता बनाये रखने हेतु मंडल के सभी प्रमुख स्टेशनों, ट्रेनों, रेलवे कालोनियों, कार्यालयों, यात्री प्रतिक्षालयों, रिटायरिंग रूम, डोरमेटरी, रनिंग रूम, रेलवे अस्पताल में अपर मंडल रेल प्रबंधक, विभिन्न शाखाधिकारी, अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा श्रमदान कर सफाई कार्य किए गए तथा यात्रियों को स्वच्छता-जागरूकता का संदेश दिया गया। कचरे को कूड़ेदान में डालने, गंदगी नहीं फैलाने, सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने तथा कपड़े के थैले का उपयोग करने के लिए यात्रियों को जागरूक किया गया।

इसी प्रकार तत्कालीन सेक्रो / रायपुर अध्यक्षा श्रीमती राधा गुप्ता एवं तत्कालीन मंडल रेल प्रबंधक श्री श्याम सुंदर गुप्ता की अध्यक्षता में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन (सेक्रो), रायपुर मंडल द्वारा भी उक्त पखवाड़ा के दौरान कई उल्लेखनीय कार्य किए गए। दिनांक 28.09.2022 को मार्केट एरिया, डब्ल्यू.आर.एस. कॉलोनी, रायपुर में आम जनता को तथा दिनांक 29.09.2022 को रायपुर रेलवे स्टेशन में यात्रियों को कॉटन थैली एवं डस्टबिन का वितरण कर प्लास्टिक थैली के उपयोग के हानिकारक परिणाम से अवगत कराया गया तथा प्लास्टिक को ना कहने और कॉटन थैली के उपयोग करने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर रेल अधिकारियों एवं सेक्रो पदाधिकारियों द्वारा स्वयं सफाई कर लोगों को प्रेरित किया गया।

इस कार्यक्रम में अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री लोकेश विश्नोई सहित अन्य शाखा अधिकारी एवं सेक्रो, उपाध्यक्षा श्रीमती शिखा विश्नोई, सेक्रो, उपाध्यक्षा श्रीमती सुनीता मिश्रा, कोषाध्यक्षा श्रीमती संचिता बनर्जी, सह सचिव श्रीमती शिवानी गुप्ता के साथ अन्य सेक्रो सदस्यों की भी सहभागिता रही।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर की अर्धवार्षिक बैठक संपन्न

दिनांक 07.10.2022 को तत्कालीन मंडल रेल प्रबंधक एवं अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर श्री श्याम सुंदर गुप्ता की अध्यक्षता में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर की वर्ष 2022 की द्वितीय छमाही बैठक समिति के एक प्रमुख सदस्य कार्यालय भारतीय मानक ब्यूरो के सौजन्य से होटल कोर्टयार्ड बाय मैरियट में आयोजित की गई।

सर्वप्रथम श्री सुमित कुमार, संयुक्त निदेशक, भारतीय मानक ब्यूरो, रायपुर द्वारा तत्कालीन मंडल रेल प्रबंधक एवं अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर एवं अन्य गणमान्य अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। साथ ही अतिथियों एवं उपस्थित सदस्यों को स्मृति चिह्न भी प्रदान किए गए। इसके पश्चात मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

श्री सुमित कुमार ने भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा आयोजित 'संवेदीकरण' कार्यक्रम के अंतर्गत मानकीकरण एवं गुणवत्ता निर्धारण पर बहुत ही उपयोगी एवं सारगर्भित जानकारी प्रदान की। तत्पश्चात श्री लोकेश विश्नोई, अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं अपर मंडल रेल प्रबंधक द्वारा स्वागत भाषण दिया गया। बैठक में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर के सदस्य कार्यालयों की दिनांक 01.01.2022 से 30.06.2022 तक की अवधि की राजभाषा प्रगति की समीक्षा की गई तथा विभिन्न मदों पर चर्चा की गई।

अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर एवं तत्कालीन मंडल रेल प्रबंधक ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि "रायपुर नगर स्थित विभिन्न केंद्रीय कार्यालयों, निगमों एवं उपक्रमों से गठित यह समिति राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन की दृष्टि से एक सार्थक एवं उपयोगी मंच है। अत: यह मंच हमें यह अवसर प्रदान करता है कि हम बैठक के दौरान राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार हेतु आवश्यक मदों पर प्रभावशाली चर्चा करें और लिए गए निर्णयों पर गंभीरता से अमल कर राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के क्षेत्र में हम अपने संगठन को नई ऊंचाई पर ले जाएं।

इसके लिए आवश्यक है कि सभी सदस्य कार्यालय गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में दिए गए लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु हर संभव प्रयास करें। इस दिशा में कार्यालयाध्यक्षों की भूमिका काफी महत्वपूर्ण होगी। नराकास की छमाही बैठक में कार्यालय प्रमुखों की उपस्थिति अनिवार्य होती है। अत: अनुरोध है कि समिति के सभी सदस्य कार्यालयों के प्रमुख अनिवार्य रूप से बैठक में भाग लें।"

उन्होंने आगे कहा कि " आज हिंदी में कार्य करना काफी सरल है। आज अनेक प्रकार की तकनीकी सुविधाएं उपलब्ध हैं। आप इन तकनीकों का भरपूर इस्तेमाल करें। इससे आपके कार्यालयों में हिंदी प्रयोग में उल्लेखनीय वृद्धि आसानी से हो जाएगी।"

इसके पश्चात नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर के तत्वावधान में सदस्य कार्यालयों में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए आयोजित हिंदी निबंध, हिंदी टिप्पण आलेखन एवं हिंदी वाक प्रतियोगिताओं के विजेताओं को नकद पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

वर्तमान में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, रायपुर के अंतर्गत कुल 65 सदस्य कार्यालय हैं। इस बैठक में सदस्य कार्यालयों एवं उपक्रमों के अधिकारीगण उपस्थित हुए। बैठक का संचालन श्री निकेश कुमार पाण्डेय, सचिव, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति एवं राजभाषा अधिकारी, द.पू.म.रेलवे, रायपुर ने किया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक समाप्त हुई।

व्यथा सतवंत सिंह की

सतवंत बड़े ही मृदु स्वर में अपनी पत्नी से बात कर रहा था :- ' कोई गल नहीं लालो ! ठंड रखो अपना, बेटा है अपना घोड़ा नालायक ही सही, मगर आ जाएगा दो-चार दिनों में । तू ज्यादा चिंता ना कर आता ही होगा और अपने जस्सी ने तो बोला है कि किसी के हाथों खाना भी भिजवा दिया है, बस आता ही होगा '। बोलते-बोलते सतवंत अपनी पत्नी जसवंत के सर को भी सहलता जा रहा था। जैसे कि उसकी मंशा थी मनप्रीत को कुछ देर में नींद भी आ गई। अब सतत धीरे से उठता है और अपने मन को संभालता हुआ कमरे को छोड़ हॉल में आ जाता है । अपने हाथों से उसने मोबाइल को जेब से निकाला और अपने मन को मारते हुए कागज को देखकर इसमें लिखा हुआ नंबर डायल किया, और बड़े ही अस्पष्ट शब्दों में कुछ बोलता गया । सतवंत ने बोला आगे पढ़कर की सारी कहानी पढ़कर समझ जाएंगे और मंशा भी समझ जाएंगे इस कहानी की ।

पुलिस की गाड़ी थी सायरन बजाते हुए मकान की आगे रुकी, मकान जिसमें सतवंत और उसकी पत्नी जसवंत की हम बात कर रहे हैं। हवलदार हरीश दरवाजे खोलकर बाहर उतरता है और कुछ सोच में पड़ जाता है। जेब से पर्ची निकालकर मकान के नंबर को टांगा करता है। 272 मकान नंबर तो सही है शायद किसी और के लिए खाना मंगवाया हो। हरीश उस नंबर को डायल करता है और कहता है – ' हम मकान नंबर 272 के आगे खड़े है। अभी 10 मिनट पहले इस नंबर से कॉल आया था, इमरजेंसी में खाना भिजवाने के लिए कहां आना है, बताइएगा' ।

दो मिनट के बाद ही मकान का दरवाजा खुलता है कुछ 80-85 की उम्र के सज्जन बाहर आते हैं, और हवलदार हरीश के आगे हाथ फैला देते हैं। हरीश एक बार तो आश्चर्य से खड़ा हो जाता है कि यह क्या हो रहा है, फिर गुस्से से चिल्लाता है – 'आप लोगों को शर्म नहीं आती इस तरह हर हफ्ता खाना मंगा रहे हैं । आप जैसे, इन मकानों में रहने वाले अमीर यह खाना खाएंगे तो जरूरतमंद गरीबों तक और क्या पहुंचेगा । मेरा तो यहां आना बर्बाद हो गया, और शायद मेरा लाया हुआ खाना भी । शर्म कीजिए आप लोग' ।

बुजुर्ग ने कुछ बुझे हुए स्वर में कहा- ' हां बेटा ! शर्म ही तो है, शर्म के मारे हो तो अभी तक कभी कह नहीं पाया था। मेरी सर्विस समाप्त हुई तो डीसीआरजी की पैसों से और कुछ लोगों से उधार लेकर यह घर बनवा लिया । सारी सेविंग तो हमेशा ही बच्चे की पढ़ाई में जाती रही, कभी कुछ हाथ में रहा ही नहीं । रिटायरमेंट के बाद पेंशन तो है नहीं, इसलिए मकान का आधा हिस्सा किराए पर दे दिया था।

अब लॉकडाउन के कारण किराएदार भी पैसे नहीं दे पा रहा है । बेटे को नौकरी ना मिलने की कारण जो भी कुछ लगे थे तो उसकी शादी भी करा दी । व्यापार चल रहा था जो कुछ कमाई होती थी व्यापार बढ़ाने के चक्कर में बेटा उसमें ही और पैसे लगाता गया । व्यापार था, ठीक-ठीक चल रहा था, किंतु लॉकडाउन में वह भी सब कुछ बंद हो गया । पहले पुराने हिसाब से चलती थी और एक बार में ही साल भर का गेहूं चावल दाल रख लेते थे । नई बहू आई, उसने सबकुछ नया - नया कर दिया । अनाज की टंकिया कबाड़ी तक पहुंच गई । अब तो दुकान से 5 किलो आटा 2 किलो दाल-चावल के पैकेट ही आते हैं। शायद बोरिया देखे हुए तो जमाना ही बीत गया है ।

लॉकडाउन में पैसे की ऐसी कमी हो गई कि खाना पीना भी मुश्किल हो गया। नाती का बहाना लेकर बेटा तो मानो जैसे बच्चे को लेकर ससुराल में ही बैठ गया है। पैकेट का अनाज खत्म हो गया तो हम कुछ कर भी नहीं पा रहे, किराया नहीं आ रहा तो पैसे भी खत्म हो गए। बेटा बहू तो चले ही गए थे किराएदार और हम दोनों भूखे ही हैं कुछ दिनों से। अपनी पत्नी बुढ़िया लाजो की भी तबीयत खराब थी लग रही है बेचारी पता नहीं केवल भूखी है या बेहोशी में पड़ी हुई है। जान बचाने की लाली पड़ी तू मुझे याद आया कि आपका नंबर देखा था लॉकडाउन के कारण पुलिस या सामाजिक संस्थाओं से मदद चाहिए तो इस नंबर पर फोन कर लें। अब आप ही बताओ कि मैं बेचारा अकेला इस लॉकडाउन में क्या करता ? बस बेटा यही कहानी है जिसके कारण भूख से मारे हुए बुजुर्गों ने आपको फोन किया एक बार तो खाना मिल जाए। बाकी आगे जिंदगी रही कुछ तो कर ही लेंगे, नहीं तो शायद भगवान को यही मंजूर होगा। कहते हुए सतवंत बेचारा फफककर रो पड़ा।

हरीश को कुछ समझ में नहीं आया कि वह क्या कहे वह भी चुपचाप अपनी गाड़ी तक गया, और सरकारी सहायता की लंच के पैकेट जो गरीबों के लिए बने थे, उन्हें लाकर बुजुर्ग सतवंत के हाथ में रख दिया, और नजरें झुका हुआ कुछ बोले बिना गाड़ी में आकर बैठ गया। चलो कहा उसने ड्राइवर से कहा और उसकी गाड़ी निकल गई। कुछ दूर जाकर हरीश को याद आया कि आज ही तो उसने अपने घर के लिए कुछ राशन लिया था। अपने वाहन को वापस मोड़कर वह फिर सतवंत जी तक पहुंचा और जो कुछ भी राशन अपनी परिवार के लिए खरीदा था, उसे निकालकर सतवंत को देकर हाथ जोड़ता हुआ बिना कुछ कहे वापस मुड़कर अपनी गाड़ी पर आ गया। हाथ से इशारा किया उसने, ड्राइवर ने स्टार्ट कर दी थी गाड़ी, शायद अगले किसी सतवंत जैसे भाग्यहीन को खोजने के लिए।

- लोकेश विश्नोई
अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन)
दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर

राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3(3) के अंतर्गत 14 दस्तावेज आते हैं, जिन्हें अनिवार्यतः हिंदी व अंग्रेजी में एक साथ तैयार, निष्पादित एवं जारी किया जाना चाहिए। ये 14 दस्तावेज निम्नलिखित हैं -

1. सामान्य आदेश (General Orders) सामान्य आदेशों से अभिप्राय है ऐसे आदेश, अनुदेश, निर्णय जो रेल कर्मचारियों के समूह के लिए हों और जो स्थायी प्रकार के हों।
2. संकल्प (Resolution)
3. नियम (Rules)
4. प्रेस-विज्ञप्ति (Press-Communiques)
5. सूचना (Notices)
6. निविदा -प्रारूप (Tender forms)
7. संविदा (Contract)
8. करार (Agreement)
9. अनुज्ञप्ति (Licence)
10. अनुज्ञा-पत्र (Permit)
11. अधिसूचना (Notification)
12. प्रशासनिक या अन्य रिपोर्टें (Administrative or other reports)
13. संसद में प्रस्तुति हेतु प्रशासनिक और अन्य रिपोर्टें (Administrative and other reports to be laid in Parliament)
14. संसद में प्रस्तुति हेतु शासकीय कागजात (Official papers to be laid in Parliament)

माह के साहित्यकार - रामधारी सिंह 'दिनकर'

जन्म	:	23 सितंबर 1908
निधन	:	24 अप्रैल 1974
जन्म स्थान	:	सिमरिया घाट, बेगुसराय (बिहार)
प्रमुख कृतियाँ	:	रश्मिरथी, उर्वशी, कुरुक्षेत्र, संस्कृति के चार अध्याय, परशुराम की प्रतीक्षा, हुंकार, हाहाकार, चक्रव्यूह, आत्मजयी, वाजश्रवा के बहाने आदि ।
विविध	:	1959 : साहित्य अकादमी पुरस्कार, 1959 : पद्म भूषण 1972 : भारतीय ज्ञानपीठ

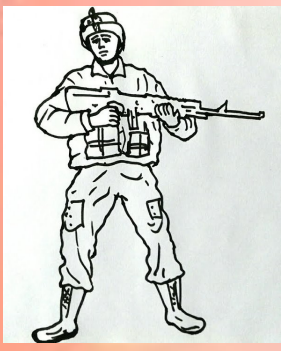

जला अस्थियाँ बारी-बारी
चिटकाई जिनमें चिंगारी,
जो चढ़ गये पुण्यवेदी पर
लिए बिना गर्दन का मोल
कलम, आज उनकी जय बोल।

जो अगणित लघु दीप हमारे
तूफानों में एक किनारे,
जल-जलाकर बुझ गए किसी दिन
माँगा नहीं स्नेह मुँह खोल
कलम, आज उनकी जय बोल।

पीकर जिनकी लाल शिखाएँ
उगल रही सौ लपट दिशाएं,
जिनके सिंहनाद से सहमी
धरती रही अभी तक डोल
कलम, आज उनकी जय बोल।

अंधा चकाचौंध का मारा
क्या जाने इतिहास बेचारा,
साखी हैं उनकी महिमा के
सूर्य चन्द्र भूगोल खगोल
कलम, आज उनकी जय बोल "

पाठकों की प्रतिक्रियाएं सादर आमंत्रित हैं । कृपया अपने सुझाव व्हाट्सएप्प नंबर 9752877615 अथवा ई-मेल rbarsecr2006@gmail.com पर प्रेषित करें ताकि हम इसे और बेहतर बना सकें । यह ई-पत्रिका द.पू.म.रेलवे की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है ।

मंडल की गतिविधियां संबंधी विवरण एवं फोटोग्राफ्स जनसंपर्क अनुभाग, रायपुर से साभार ।